Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 35–2024] CHANDIGARH, TUESDAY, AUGUST 27, 2024 (BHADRA 5, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 5 जुलाई, 2024

संख्या 12/250–बडा तालाब–2024/पुरा/2363–68.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों और प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणाा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उस के पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हों, के साथ, जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जानेवाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
बड़ा तालाब, 19वीं शताब्दी पूर्व	बड़ा तालाब, 19वीं शताब्दी पूर्व	रेवाड़ी	रेवाड़ी	लाल डोरा (नगरपालिका समिति)	37 कनाल – 14 मरला	निजी स्वामित्व (मंदिर कुशल किशोर एवं अन्य)	रेवाड़ी शहर के मध्य में स्थित नेताजी सुभाष पार्क में स्थित, यह एक ऐतिहासिक और धार्मिक आकर्षण है। तालाब बारिश और भूमिगत पाइपों से नहर के पानी से भर जाता है। निकटवर्ती मंदिर और तालाब का निर्माण राव तेज सिंह (रेवाड़ी के शासक) द्वारा वर्ष 1810–1815 में करवाया गया था। यह पत्थर और लाखौरी ईंटों से निर्मित एक विशाल संरचना है। चारों कोनों में चार छोटी–छोटी छतरियां है। इस विशाल बावड़ी या तालाब की वास्तुकला विशेषताएं राजपूत मुगल घराने का मिश्रण है।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 5th July, 2024

No. 12/250-Bada Talab-2024/pura/2363-68.— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below, to be protected archaeological sites and remains specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, from any person with respect to the proposal which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh before the expiry of the period so specified: -

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	**Name of archaeological sites and remains**	**Name of village/ city**	**Name of tehsil / district.**	**Revenue Khasra/ Kila number under protection.**	**Area to be protected Kanal-Marla**	**Ownership**	**Remarks**
1	2	3	4	5	6	7	8
Bada Talab, 19th Century CE	Bada Talab, 19th Century CE	Rewari	Rewari	Lal Dora (Municipal Committee)	37 Kanal 14 Marla	Private ownership (Mandir Kaushal Kishor and etc.)	Located in Netaji Subhash Park in the heart of Rewari city, it is a historic and religious attraction. The pond gets replenished with rain and canal water from the underground pipes. The adjacent temple and the pond were built by Rao Tej Singh (ruler of Rewari) in the year 1810-1815. It's a huge structure built by stone and lakhori bricks. There are four small chattris in the four corners. Architectural features of this huge baoli or talab are assimilation of Rajput-Mughal Gharana.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.

11224—C.S.—H.G.P., Pkl.